क्षितिज (गद्य खंड)

दक्षता आधारित कार्य-पत्रक

विषय: हिन्दी कक्षा : नवीं

पाठ/प्रकरण का नाम :	दो बैलों की कथा	**समयावधि :**	40 मिनट
विद्यार्थी का नाम :	-------------------------------------	**पूर्णांक :**	20
अनुक्रमांक (रोल नं.) :	....	**दिनांक :**	....../....../ ....

निर्देश:- 1.सभी प्रश्न अनिवार्य है | 2. कार्य-पत्रक में दिए गए स्थान पर ही उत्तर लिखें |
3. लेखन कार्य की स्पष्टता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें |

	(गद्यांश/काव्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।	5
	झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे हीरा और मोती। दोनों पछाई जाति के थे-देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक, दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे- विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हलकी-सी रहती है, जिस पर ज्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता। जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गरदन हिला-हिलाकर चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज्यादा-से-ज्यादा बोझ मेरी ही गरदन पर रहे। दिन-भर के बाद दोपहर या संध्या को दोनों खुलते, तो एक-दूसरे को चाट-चूटकर अपनी थकान मिटा लिया करते। नाँद में खली-भूसा पड़ जाने के बाद दोनों साथ उठते, साथ नाँद में मुँह डालते और साथ ही बैठते थे। एक मुँह हटा लेता, तो दूसरा भी हटा लेता था।	
1.	**हीरा और मोती की विशेषताएँ कौन-सी है ?**	1
	(क) वे बहुत सुंदर और घमंडी बैलथे।	
	(ख) वे बहुत बलवान औरझगड़ालूबैल थे।	
	(ग) वेपछाई जाति केसुंदर, सुडौल और बलिष्ठ बैल थे।	
	(घ) वे बहुत जिद्दी और फिसड्डी बैल थे।	

2.	**हीरा और मोती आपस में किस प्रकार बात करते थे?**	1
	(क) एक-दूसरे से दूर रहकर मनुष्य की भाषा में	
	(ख)आमने-सामने या आस-पास बैठकर एक-दूसरे से मूक-भाषा में	
	(ग) एक-दूसरे से मिलकरसांकेतिक भाषा में	
	(घ) आमने-सामने या आस-पास न बैठकर मनुष्य की भाषा में	
3.	**कथन** (i) हीरा-मोती मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे। (ii) दोनों एक-दूसरे को चाटकर अपनी थकान मिटाते थे। (iii) बहुत दिनों से साथ रहते हुए भी दोनों में भाईचारा नहीं था।	1
	विकल्प (क) कथन (i) सत्य है औरकथन(ii) असत्य है।	
	(ख) कथन (ii) असत्य है औरकथन(iii) सत्य है।	
	(ग) कथन (i) असत्य है औरकथन(iii) एवं(iii) सत्यहै।	
	(घ) कथन (i) और (ii) सत्य है एवं कथन(iii) असत्यहै।	
4.	**हीरा और मोती में ऐसी कौन-सी गुप्त शक्ति थी, जो मनुष्य में नहीं होती ?**	1
	(क) एक-दूसरे से प्रेम करना।	
	(ख) एक-दूसरे के मन की बात को समझना।	
	(ग) एक-दूसरे के लिए लड़ाई लड़ना।	
	(घ) एक-दूसरे से सींग मिलाना।	
5.	**कथन-** **हीरा और मोती में सच्ची दोस्ती थी।** **कारण-** (i) आत्मीयता और प्रेम से एक-दूसरे के साथ धोल-धप्पा करना। (ii) शरारतें और क्रीडाएँ करना। (iii) मौज मस्ती करना।	1
	विकल्प - (क) कारण(i) सही है।	
	(ख) कारण(i) सही है और कारण(ii) सही नहीं है।	
	(ग) कारण(i), (ii), और(iii) सही है।	
	(घ) कारण(ii) सहीऔर कारण(iii) सहीनहीं है।	

	(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	**'दो बैलों की कथा' कहानी के रचनाकार कौन है ?**	1
	(क) पारसचंद	
	(ख) प्रेमचंद	
	(ग) पूरणचंद	
	(घ) परमचंद	
7.	**लावारिस पशुओं को बंद करने का स्थान कहलाता है-**	1
	(क) हौज़काजी	
	(ख) काँजीहौस	
	(ग) हौसकांजी	
	(घ) काँसीहौज।	
8.	**लेखक के अनुसार गधे में किनके गुण पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं?**	1
	(क) नेताओं के	
	(ख) व्यापारियों के	
	(ग) अभिनेताओं के	
	(घ)ऋषि-मुनियों के	
9.	**'मूक भाषा' से क्या तात्पर्य है ?**	1
	(क) बोली जाने वाली भाषा।	
	(ख) बिना बोले एक-दूसरे के भावों को समझना।	
	(ग) न बोली जाने वाली भाषा।	
	(घ) सांकेतिक भाषा	
10.	**'दो बैलों की कथा' कहानी का उद्देश्य काउचित विकल्प चुनिए –** **कथन-** (i) किसानों और पशुओं के भावात्मक रिश्तों का जीवंत और सजीव चित्रण करना।	1

	(ii) यह बताना कि स्वतंत्रता मनुष्यों और पशुओं दोनों को प्रिय होती है I (iii) स्वत्रंतता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित करना I	
	विकल्प - (क) कथन(i) सत्य है I	
	(ख) कथन(i) सत्यऔर(ii) असत्य है I	
	(ग) कथन(i), (ii) असत्यऔर(iii) सत्य है I	
	(घ) कथन(ii), (ii) और (iii) सत्य है I	
	(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभर कर आए हैं?	2
	उत्तर:--- --- --- ---	
12.	किन बातों से प्रकट होता है कि हीरा-मोती में गहरा भाई चारा था ?	2
	उत्तर:--- --- --- ---	
13.	हीरा ने कब और कैसे सच्चे मित्र का फर्ज निभाया?	2
	उत्तर:--- --- --- ---	
14.	हीरा-मोती की आँखों में विद्रोहमय स्नेह कब झलकता हुआ प्रतीत हुआ और क्यों?	2
	उत्तर:--- --- --- ---	
15.	कांजीहौस में कैद पशुओं की हाज़िरी क्यों ली जाती होगी ?	2
	उत्तर:--- --- --- ---	

edgyanarchive

उत्तरमाला

प्रश्न	दक्षता/उद्देश्य	उत्तर	
		(गद्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1.	अवबोध	**उत्तर:-** (ग) वेपछाई जाति केसुंदर, सुडौल और बलिष्ठ बैल थे।	1
2.	ज्ञानात्मक	**उत्तर:-** (ख)आमने-सामने या आस-पास बैठकर एक-दूसरे से मूक-भाषा में	1
3.	विश्लेषणात्मक	**उत्तर:-** (घ) कथन (i) और (ii) सत्य है एवं कथन(iii) असत्यहै।	1
4.	अवबोध	**उत्तर:-** (ख) एक-दूसरे के मन की बात को समझना।	1
5.	विश्लेषणात्मक	**उत्तर:-** (ग) कारण(i), (ii), और(iii) सही है।	1
		(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	स्मरण	**उत्तर:-** (ख) प्रेमचंद	1
7.	ज्ञानात्मक	**उत्तर:-** (ख) काँजीहौस	1
8.	अनुप्रयोग	**उत्तर:-** (घ)ऋषि-मुनियों के	1
9.	बोधात्मक	**उत्तर:-** (ख)बिना बोले एक-दूसरे के भावों को समझना।	1
10.	विश्लेषणात्मक	**उत्तर:-** (घ) कथन(ii), (ii) और (iii) सत्य है।	1
		(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	विषय-वस्तु बोध	**उत्तर:-** इस कहानी के माध्यम से निम्नलिखित नीतिविषयक मूल्य उभरकर सामने आए हैं- * सरल-सीधा और अत्यधिक सहनशील होना पाप है। बहुत सीधे इनसान को मूर्ख या 'गधा' कहा जाता है। * इसलिए मनुष्य को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना चाहिए। * आज़ादी बहुत बड़ा मूल्य है। इसे पाने के लिए मनुष्य को बड़े-से-बड़ा कष्ट उठाने को तैयाररहना चाहिए। * समाज के सुखी-संपन्न लोगों को भी आजादी की लड़ाई में योगदान देना चाहिए।	2
12.	ज्ञानात्मक	**उत्तर:-** इस कहानी से निम्नलिखित बातों से प्रकट होता है कि हीरा-मोती में भाई चारा था- * जब हल में जोते जाते थे तब दोनों यही चाहते थे कि वे एक-दूसरे का भार अपने कंधे परले। * वे दिन भर के काम के बाद दोपहर या संध्या में चाट-चूटकर अपनी थकान उतारते। * वे एक साथ दोनों नाँदों में मुँह डालते, एक मुँह हटाता तो दूसरा भी मुँह हटा लेता था। * मोती मटर के खेत में मटर खाते पकड़ा गया। हीरा भाग सकता था फिर भी वापस आ गया। वह भी मोती के साथ पकड़ा गया।इन बातों से हीरा-मोती का भाई चारा प्रकट होता है।	2
13.	विषय-वस्तु बोध	**उत्तर:-**हीरा और मोती भूखे थे। सामने के खेत में हरी मटर नजर आई। अभी उन्होंने दो-चार ग्रास ही खाए थे कि रखवाले लाठी लिए आए। हीरा तो भाग सकता था पर सींचे खेत में खुर धंसने से मोती फँस गया। रखवालों ने उसे पकड़ लिया तो हीरा भागा नहीं। इस तरह उसने सच्चे मित्र का फर्ज निभाया।	2
14.	ज्ञानात्मक	**उत्तर:-**झूरी ने हीरा-मोती को गया के घर काम करने भेजा था पर इन दोनों को वहाँ गाँव, घर तथा मनुष्य सब बेगाने जैसे लग रहे थे। उन्हें गया से भी स्नेह नहीं मिल रहा था। वे दोनों वहाँ से रात में ही भाग आए थे। उन्हें अपने बेचे जाने का भ्रम होने के कारण उनकी आँखों में विद्रोहमय स्नेह झलक रहा था।	2
15.	विषय-वस्तु बोध	**उत्तर:-**कांजीहौस एक प्रकार से पशुओं की जेल थी। उसमें ऐसे आवारा पशु कैद होते थे जो दूसरों के खेतों में घुसकर फसलें नष्ट करते थे। अत: कांजीहौस के मालिक का यह दायित्व होता था कि वह उन्हें जेल में सुरक्षित रखे तथा भागने न दे। इस कारण हर रोज उनकी हाजिरी लेनी पड़ती होगी।	2